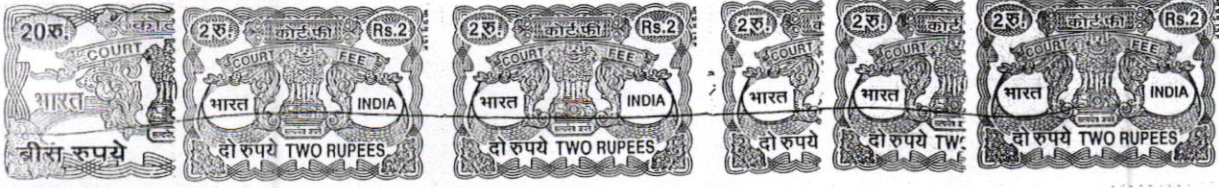


आ/निगा०/सतना/भू-अ०/2017/3858

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर मध्यप्रदेश सर्किट कोर्ट  
रीवा (म०प्र०)



श्री कुमार गुप्ता पिता कमलचन्द्र गुप्ता, निवासी कटरा बाजार मैहर,  
तहसील मैहर, जिला सतना (म०प्र०)

RL-301-

निगरानीकर्ता/आवेदक

बनाम

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत मैहर, जिला सतना  
(म०प्र०)

गैरनिगरानीकर्ता/अनावेदक

निगरानी विरुद्ध आदेश तहसीलदार, तहसील  
मैहर, जिला सतना म०प्र० के प्रकरण क्रमांक-  
1-अ-12/2016-17 आदेश दिनांक  
16/05/2017 वावत् किये जाने सीमांकन  
आराजी नम्बर-72 एवं 73 स्थित मौजा तिलौरी,  
तहसील मैहर, जिला सतना (म०प्र०)

निगरानी अंतर्गत धारा 50 मध्यप्रदेश भू राजस्व  
संहिता सन् 1959 ई०

मान्यवर,

आधार निगरानी निम्न है :-

- 1- यह कि आदेश मातहत न्यायालय विधि एवं प्रक्रिया के विपरीत होने से आलोच्य आदेश कायम रखे जाने योग्य है ।
- 2- यह कि अनावेदक द्वारा आ०नं०-72 व '73 स्थित ग्राम तिलौरा, तहसील मैहर के सीमांकन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किये जाने पर आवेदक निगराकार जो उक्त भूमियों से संलग्न भूमि नं०-144, 145, 143/2, का भूमिस्वामी का आधिपत्यधारी है, पक्षकार नहीं बनाया गया और न ही राजस्व निरीक्षक द्वारा सीमांकन किये जाने क कोई

*(Signature)*

आवेदक श्री कुमार गुप्ता  
ज्या. दे. 12.10.17  
म/7  
कलकत्ता ऑफ कोर्ट  
राजस्व मण्डल म० प्र० ग्वालियर  
(सर्किट कोर्ट) रीवा

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर  
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ  
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक तीन-निगरान/सतना/भू.रा./2017/3858

स्थान दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों  
आदि के हस्ताक्षर

6/4/18

निगरानी की ग्राह्यता पर आवेदक के अभिभाषक को पूर्व पेशी पर सुना जा चुका है। यह निगरानी तहसीलदार मैहर जिला सतना के प्रकरण क्रमांक 1 अ-12/2016-17 में पारित आदेश दिनांक 16-5-17 के विरुद्ध म0प्र0भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि अनावेदक की ओर से ग्राम तिलोरा की शासकीय भूमि सर्वे नंबर 72, 73 पर हाट बजार निर्माण करने के उद्देश्य से सीमांकन कराने की मांग तहसीलदार मैहर से की गई। तहसीलदार मेहर ने राजस्व निरीक्षक से सीमांकन कर प्रतिवेदन चाहा गया। राजस्व निरीक्षक ने सीमांकन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर आपत्तिकर्तागण ने आपत्तियाँ प्रस्तुत की। फलस्वरूप तहसीलदार ने समक्ष में पुर्नसीमांकन कराने का निर्णय लिया तथा पुर्नसीमांकन कराकर आपत्तिकर्ताओं को सुनकर आदेश दिनांक 16-5-17 पारित किया तथा पुर्नसीमांकन दिनांक 16-5-17 एवं पूर्व सीमांकन दिनांक 23-10-17 एकरूप होने से सीमांकन को अंतिमता प्रदान की। तहसीलदार के इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी प्रस्तुत की गई है।

3/ आवेदक के अभिभाषक का तर्क यह है कि ग्राम तिलोरा की भूमि सर्वे क्रमांक 72 व 72 से उनके पक्षकार की भूमि नंबर 144, 145, 143/2 लगी हुई भूमियां है किन्तु सीमांकन के दौरान न तो उन्हें पक्षकार बनाया गया है एवं न ही सीमांकन के पूर्व राजस्व निरीक्षक ने

कोई सूचना दी है। राजस्व निरीक्षक ने बिना बंदोवस्ती चिन्ह के सीमांकन करते हुये गलत व्यक्तियों के नाम पंचनामा पर लिखकर सीमांकन प्रतिवेदन दिया है इसलिये तहसीलदार का त्रुटिपूर्ण आधारों पर पारित सीमांकन आदेश निरस्त किया जाय।

4/ आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से यह निर्विवाद है कि सीमांकित भूमि शासकीय है एवं शासकीय भूमि सर्वे क्रमांक 72 एवं 73 का एक वार राजस्व निरीक्षक ने सीमांकन किया है तथा सीमांकन पर आपत्ति आने के कारण तहसीलदार ने स्वयं खड़े होकर दिनांक 16-5-17 को पुनः सीमांकन कराया है जिसमें राजस्व निरीक्षक द्वारा किया गया सीमांकन दिनांक 23-10-17 एवं पुनः सीमांकन दिनांक 16-5-17 एकरूप पाये गये है। जब वाद विचारित भूमि के दो दो वार सीमांकन हुये हैं एवं तहसीलदार गाँव में मौके पर पहुंचे हैं तब यह नहीं माना जा सकता कि तहसीलदार के गाँव में पहुंचने की सूचना आवेदक को अथवा उसके परिजन को न हुई हो। भूमि पूर्णरूपेण शासकीय है जिसका सीमांकन किया गया है एवं दो दो वार किये गये सीमांकन में किसी प्रकार की विसंगति नहीं है जिसके कारण निगरानी तहसीलदार मैहर जिला सतना द्वारा प्रकरण क्रमांक 1 अ-12/2016-17 में पारित आदेश दिनांक 16-5-17 में हस्तक्षेप का औचित्य नहीं है।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन होने से निरस्त की जाती है एवं तहसीलदार मैहर जिला सतना द्वारा प्रकरण क्रमांक 1 अ-12/2016-17 में पारित आदेश दिनांक 16-5-17 उचित होने से यथावत् रखा जाता है।

सदस्य